www.awgp.org | www.vicharkrantibooks.org

ब्रह्मवर्चस् शोध संस्थान
शान्ति कुञ्ज, हरिद्वार

बिना खर्च के विवाह का प्रचण्ड आन्दोलन चल पड़े

www.awgp.org
www.vicharkrantibooks.org

युग निर्माण योजना, मथुरा

श्रीराम शर्मा आचार्य

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

www.awgp.org | www.vicharkrantibooks.org

: BOOK MADE AVAILABLE FOR DIGITIZATION BY :

BRAHMVARCHAS SHODH SANSTHAN
SHANTIKUNJ, HARIDWAR, INDIA

: OUR MAIN CENTERS :

Shantikunj, Haridwar,
Uttaranchal, India – 249411
Phone no : 91-1334- 260602,
Website : www.awgp.org
E-mail : shantikunj@awgp.org

Gayatri Tapobhumi,
Mathura, U.P., India – 281003
Phone no : 91-0565-2530128,
Website : www.awgp.org
E-mail : yugnirman@awgp.org

: BOOK DIGITIZED BY :

Vicharkranti Pustakalay, Thana-Faliya, Dindoligam, Surat-394210, Gujarat, India
E-mail: vicharkranti.awgp@gmail.com | Website : www.vicharkrantibooks.org

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

www.awgp.org | www.vicharkrantibooks.org

बिना खर्च के विवाह का प्रचण्ड आन्दोलन चल पड़े

इस देश में लाख गाँव और लगभग ५ करोड़ परिवार हैं। विवाहोन्माद से ग्रसित हिन्दू परिवारों की संख्या ४ करोड़ है। हर परिवार को औसतन तीन वर्ष में एक विवाह करना पड़ता है। विवाह का औसत कुल खर्च पाँच हजार की औसत से भी फैलाया जाय तो हर वर्ष प्रायः ३० अरब रुपया खर्च होता है। यह पैसा राष्ट्रीय दृष्टि से इतना अधिक है कि बचाकर देश का पूरा वार्षिक बजट अथवा बिना किसी कठिनाई के पाँच वर्षीय योजनाओं का खर्च चलाया जा सकता है। व्यक्तिगत दृष्टि से यदि यह पैसा घर परिवारों के स्वास्थ्य, निवास, चिकित्सा, व्यवसाय आदि आवश्यक कार्यों में लगाया जाय तो उससे अपने देशवासियों का स्तर हर क्षेत्र में ऊँचा उठ सकता है और वे प्रगति के आवश्यक साधन उपलब्ध होने पर समृद्ध देशों की पंक्ति में सहज ही खड़े हो सकते हैं। उपार्जन बढ़ा किन्तु बर्बादी न रुकी तो उस बढ़ोत्तरी से भी क्या बनेगा ? सामाजिक कुरीतियाँ हमारी नैतिक, आर्थिक और सामाजिक ही नहीं, शारीरिक एवं पारिवारिक बर्बादियों की भी निमित्त बनी हुई हैं इन कुरीतियों में सबसे भयानक और अविवेकपूर्ण विवाहों के नाम पर बुद्धि बेचकर पैसे को होली फूँकने की मूर्खता को ही कहा जा सकता है। समय आ गया कि हम अपना भला-बुरा सोचें और जो अनुचित है उसे हटा दें।

हर व्यक्ति जानता है कि सारे संसार के सभ्य समाजों की तरह हमें भी विवाह को एक छोटा पारिवारिक उत्सव

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

www.awgp.org | www.vicharkrantibooks.org
मात्र मानकर उसे सादगी के साथ सम्पन्न कर लेना ही उचित है। इसमें सभी का हित है। कोई दलील ऐसी नहीं जो विवाहोन्माद का समर्थन करती हो। इतने पर भी इस कुप्रथा का प्रचलित रहना, छोड़ने का प्रयत्न न किया जाना यह साबित करता है कि अपनी विचारशीलता का—अनुचित को हटाकर उचित को अपनाने की विवेक बुद्धि का दिवाला निकल गया है जिसे अवांछनीय समझते हैं उसे ही छाती से चिपटाये बैठे रहें यह मूढ़ता और रूढ़िवादता का एक घिनौना उदाहरण है।

पैसा बर्बादी की चीज नहीं है। अमीर लोग उसे लोकोपयोगी कार्यों में लगा सकते हैं। गरीबों के लिए तो एक-एक पैसे का मूल्य है। उनके लिये बर्बादी का रास्ता अपनाना अपने पैरों कुल्हाड़ी मारना है। विवाहों के नाम पर एक तिहाई आमदनी की बर्बादी एक दर्दनाक घटना है। इस अनर्थ को यों ही चुपचाप नहीं देखते रहना चाहिए वरन् उसे मिटाने के लिए एक प्रचण्ड आन्दोलन खड़ा करना चाहिये। युग निर्माण योजना के अन्तर्गत ऐसा ही देशव्यापी और कारगर आन्दोलन छेड़ा गया है कि उसमें सम्मिलित होने के लिए उत्साहपूर्वक आगे आयें।

विवाहों को बिना दहेज, बिना जेवर, बिना धूम-धाम, बिना बरात और अति सादगी के साथ न्यूनतम खर्च में सम्पन्न करने के 'आदर्श विवाह' आन्दोलन की उपयोगिता एवं आवश्यकता जन-साधारण को समझाई जानी चाहिए। अधिक खर्च करने और कराने वालों का विरोध करना चाहिये। ऐसी शादियों में—जिनमें बरबादी का दौर-दौरा हो सम्मिलित नहीं होना चाहिए। बरातों में शामिल नहीं होना चाहिए और उस निरर्थक धूमधाम में योग नहीं देना चाहिए। अभी तो समझाने का—प्रचार और आन्दोलन का ही प्रथम चरण है। आगे चलकर इन

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

www.awgp.org | www.vicharkrantibooks.org

आर्थिक आत्महत्या करने वालों को रोकने के लिए सत्याग्रही स्वयंसेवक सेना गठित करनी चाहिये।

विवाह योग्य वर कन्याओं और उनके अभिभावकों को ऐसी प्रतिज्ञा करने के लिये कहा जा रहा है कि वे अति सादगी के आदर्श विवाह ही करेंगे। इस प्रतिज्ञा पर उन्हें आरूढ़ ही रहना चाहिये और किसी भी दबाव में आकर नरम नहीं पड़ना चाहिये। वयस्क छात्रों और छात्राओं में यह प्रतिज्ञा आन्दोलन व्यापक रूप से चलाया जा रहा है और विचारशील अध्यापकों से इस प्रवृत्ति को प्रोत्साहन देने के लिये कहा जा रहा है। रूढ़िवादियों के विरोध के लिए तो हमें अन्य अवांछनीय तत्वों से लोहा लेने की हिम्मत के साथ कटिबद्ध होना चाहिये। ऐसे प्रतिरोध अन्ततः श्रेयस्कर ही सिद्ध होते हैं। प्रह्लाद, भरत, विभीषण, बलि और मोरा की परम्परा को यदि विवाहोन्माद के प्रतिरोध में नई पीढ़ी अपनाने लगे तो उसे अनुचित नहीं वरन् हर दृष्टि से सराहनीय ही माना जायगा। इस आग्रह से वे अपने अभिभावकों को भी खलनायक की भूमिका प्रस्तुत करने के कलङ्क से बचाकर विचारशील लोगों की पंक्ति में बिठाने का हित साधन ही करेंगे।

इस सन्दर्भ में यदि एक बात और भी बन पड़े तो उत्तम रहेगा कि उपजातियों का दायरा बढ़ा दिया जाय और बड़ी जातियों को ही पर्याप्त माना जाय। ब्राह्मण-ब्राह्मण मात्र में, राजपूत-राजपूत मात्र में, वैश्य-वैश्य मात्र में, कायस्थ-कायस्थ मात्र में विवाह करने लगें तो इसमें शास्त्रीय परम्परा एवं संस्कृति का तनिक भी उल्लंघन नहीं होता। सनातन तो वर्णमात्र हैं उपजातियाँ तो यातायात की कठिनाइयों के दिनों में क्षेत्रीय लोगों का एक व्यापक वर्ग बन जाने से चल पड़ी हैं अब उस

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

www.awgp.org | www.vicharkrantibooks.org

क्षेत्रीयता और सङ्कीर्णता को बिना किसी सङ्कोच के प्रसन्नता पूर्वक व्यापक क्षेत्र में परिणित किया जा सकता है। इसमें अच्छे जोड़े तलाश करने में बहुत सुविधा मिलेगी और देन दहेज का चक्रव्यूह भी सहज ही टूट जायेगा।

ये कुरीतियाँ हमें नैतिक दृष्टि से बेईमान—आर्थिक दृष्टि से गरीब, कजदार और सामाजिक दृष्टि से ढोंगी बनाती चली जा रही हैं। लड़के खुले आम बेचे जाते हैं और उनका बैल-भैंस जैसा मोल भाव होता है इन बुराइयों का प्रभाव गरीब घर की सुयोग्य कन्याओं पर कितना विघातक पड़ रहा है, इसकी चर्चा करना और सुनना दिल हिला देने वाला होगा। दहेज के राक्षस की चपेट में कितनी सुयोग्य कन्याओं को किस तरह रक्त के आँसू पीने पड़े और कितनों के जीवन किस तरह बर्बाद हुए उन कथाओं को क्रमबद्धरूप से सुन सके तो पत्थर के कलेजों को भी आँसू बहाने पड़ें। इस कुचक्र में कितने सद्-गृहस्थों को दर-दर का भिखारी बनना पड़ा है इनका किस्सा कहा और सुना जा सके तो इस हिन्दू समाज की दुष्टता पर आसमान को भी आँसू बहाने पड़ें निस्सन्देह यह प्रथा जारी रही तो अपना समाज और देश अभी हजार वर्ष तक भी उन्नति न कर सकेगा।

यह परिस्थितियाँ उन मनस्वी महामानवों को पुकारती हैं जो संव्याप्त मूढ़ता के विरुद्ध बगावत खड़ी कर सकें और बहुसंख्यक लोगों के मस्तिष्कों पर छाये हुये अन्धकार को उखाड़ फेंकने के लिए एकाकी प्रकाशवान दीप की तरह ज्योतिर्मय हो सकें। समय की—युग की पुकार है कि 'विवाहोन्माद" के असुर को रावण, कंस, हिरण्यकशिपु, जरासिंध की तरह विश्वमानव का महानतम शत्रु माना जाय और उसके उन्मूलन के लिए हर दैवी

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

www.awgp.org | www.vicharkrantibooks.org

प्रकृति के विवेकवान एवं मनस्वी व्यक्ति को भिड़ जाने के लिए आमन्त्रित किया जाय।

जिनके मुख में जीवन्त वाणी हो वह इस अनाचार की पूरी-पूरी भर्त्सना करें। जिनके पास लेखनी हो वह इस दुष्टता से उत्पन्न होने वाले उत्पीड़न को प्रकाश में लायें। जिनके पास मस्तिष्क हो वह यह योजना बनायें कि किस प्रकार इस पैशाचिकता से अपना समाज मुक्ति पाये। पंच और चौधरी सचमुच सड़ नहीं गये हों तो अपने प्रभाव को इस बात में लगावें कि हर दृष्टि से हेय और निन्दनीय इस कुप्रथा को उनके क्षेत्र में से कितनी जल्दी विदाई मिल जाय। जिसके पास आत्मा हो उस हर अभिभावक को अपनी कन्या पर भी रहम करना चाहिए और अपनी बर्बादी की तरह सम्बन्धी का भी दुःख-दर्द अनुभव करना चाहिए। जहाँ कहीं भी सज्जनता, करुणा, विवेकशीलता, सहृदयता और न्याय जिन्दा हो उसे दुहाई देकर पुकारा जाना चाहिए कि वह यदि मर नहीं गई हो तो जीवित होकर इस युग में इस नृशंस असुर विवाहोन्माद से लड़ पड़ने के लिये शौर्य और साहस का परिचय दें।

'विवाहोन्माद के लिए बुद्धि क्यों बेच दी जाबे' पुस्तिका से।

मुद्रक : युग निर्माण प्रेस, मथुरा। क्र० ३१

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org